



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

पं० 26] नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 19, 1973/पौष 29, 1894
 No. 26] NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 19, 1973/PAUSA 29, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती हैं जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 19th January 1973

S.O. 35(E)/18FB/IDRA/73.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 725(E)/18A/IDRA/72, dated the 25th November, 1972, the management of the industrial undertaking known as Messrs India Machinery Company Limited, Howrah (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) has been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years up to and inclusive of the 24th November, 1977;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking it is necessary so to do in the interests of the general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industries, namely, industrial instruments, machine tools etc.;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period.

[No. F. 25/26/72-CUC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 19 जनवरी, 1973

का० आ० 35 (ग) / 18 ए० का० अ० ७२५०/आई० डी० आर० १०४०/73.—यतः भारत सरकार के श्रीद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० ७२५ (ई) / १४८०/आई० डी० आर० १०४०/७२, तारीख २५ नवम्बर, १९७२ द्वारा मैलर्ट इण्डिया मशीनरी कंपनी लिमिटेड, हावड़ा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम कहा गया है) नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबंध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८क के अधीन २४ नवम्बर, १९७७ तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की अवधि के लिए, प्रहृण कर लिया गया है।

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार का यह भवाधान हो गया है कि उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के मंबंध में, अनुसूचित उद्योगों, अर्थत्, श्रीद्योगिक उपकरण मणित श्रीजार, आदि, में उत्पादन के पर्यामाण में कमी को रोकने की दृष्टि से, जनमाधारण के हितों में ऐसा करना आवश्यक है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा १८ च ख की उपधारा (१) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह व्यापार करती है कि इस आदेश के जारी होने की तारीख के ठीक पूर्व प्रकृत ऐसी सभी संविदाओं, संस्तिं के हस्तान्तरण-नवाँ, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे मिल जो वैकों श्रीर वित्तीय संस्थाओं के प्रतिमूल दायित्वों से संबंधित है), प्रबर्तन, जिनका उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम या ऐसे श्रीद्योगिक उपक्रम का स्वामित्र रखने वाली कंपनी एक पक्षकार है या जो ऐसे श्रीद्योगिक उपक्रम या कानूनी को तागू हो, एक वर्ष की अवधि के लिए नियंत्रित रहेगा और उक्त तारीख के पूर्व उनके प्रोटोकूल या उद्भूत होने वाली सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं श्रीर दायित्व उक्त अवधि के लिए नियंत्रित रहेंगे।

[सं० फा० 25 (26)/72-सी० य० सी०]

दिनेश किशोर सक्सना, संयुक्त सचिव।